मूल्य 1 रु.
वर्ष: 12 - अंक : 196, मुंबई, मंगलवार, 13 सितंबर, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

एनसीपी अधिवेशन में हुआ बड़ा ड्रामा

अजित मंच छोड़ कर निकले, शरद पवार देखते रहे

संवाददाता

मुंबई। शरद पवार की पार्टी एनसीपी का दो दिनों का राष्ट्रीय अधिवेशन दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में हो रहा। लेकिन रविवार को इस अधिवेशन में एक बड़ा ड्रामा हो गया। शरद पवार के भतीजे और महाराष्ट्र विधानसभा के विपक्षी नेता अजित पवार मंच से उठ कर निकल लिए। जयंत पाटील रोकते रहे। शरद पवार देखते रहे। लेकिन अजित पवार ने पीछे मुड़ कर नहीं देखा।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

अजित पवार के यूं निकल जाने से कार्यक्रम में अफरा-तफरी मच गई। अजित पवार के समर्थक नाराज हुए। उन्हें शांत करने के लिए प्रफुल्ल पटेल लाख समझाते रहे कि अजित पवार का भी भाषण होगा, लेकिन ना अजित पवार लौटे ना ही उनके समर्थकों की नाराजगी दूर हुई। जयंत पाटील ने मीडिया से कहा कि अजित पवार नाराज नहीं हैं।

मीटिंग से बाहर आकर अजित पवार ने नाराज होने की बात ठुकरा दी। उन्होंने कार्यक्रम छोड़ कर आने के मुद्दे पर सफाई देते हुए मीडिया से कहा, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का यह राष्ट्रीय अधिवेशन था। इसलिए अलग-अलग राज्यों के अलग-अलग मान्यवरों ने अपना भाषण दिया।

मुंबई: छह किशोरियां सुधार गृह से भागीं

दो कुछ घंटे बाद लौटीं

मुंबई। मुंबई के गोवंडी इलाके में एक सुधार गृह से छह नाबालिग लड़कियां भाग गईं, हालांकि उनमें से दो लड़कियां कुछ घंटे बाद स्वेच्छा से लौट आईं। पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लगभग 15-17 आयु वर्ग की छह लड़कियां रविवार तड़के सायन-ट्रॉम्बे रोड स्थित सुधार गृह से पत्थरों से खिड़की की ग्रिल तोड़कर भाग गई थीं। उन्होंने बताया, जांच के दौरान यह पाया गया कि किसी ने भागने में उनकी मदद की थी। इसलिए अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

सरबजीत सिंह की पत्नी की सड़क हादसे में मौत

अमृतसर (पंजाब)। पाकिस्तान की जेल में कैद रहे सरबजीत सिंह की पत्नी सुखप्रीत कौर की सड़क हादसे में मौत हो गई है। जानकारी के मुताबिक रविवार को सुखप्रीत कौर अपनी बेटी स्वपनदीप कौर से मिलने मोटरसाइकिल पर अपने पड़ोसी के साथ जालंधर से अमृतसर जा रही थी।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

खुदरा महंगाई के मोर्चे पर बड़ा झटका!

अगस्त में बढ़कर हुई सात फीसदी

मुंबई। खाने का सामान महंगा होने से खुदरा महंगाई दर अगस्त महीने में बढ़कर सात फीसदी पर पहुंच गई है। सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। एक महीने पहले जुलाई में यह 6.71 फीसदी रही थी। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति लगातार आठवें महीने रिजर्व के संतोषजनक स्तर की ऊपरी सीमा से ऊंची बनी हुई है। सरकार ने आरबीआई को खुदरा महंगाई दो फीसदी से छह फीसदी के बीच रखने की जिम्मेदारी दी हुई है। आंकड़ों के मुताबिक, खाद्य वस्तुओं की महंगाई दर अगस्त में 7.62 फीसदी रही है, जो जुलाई में 6.69 प्रतिशत रही थी।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

महंगाई दर में बढ़ोतरी चिंताजनक

नाइट फ्रैंक इंडिया के रिसर्च डायरेक्टर विवेक राठी ने कहा, कच्चे तेल की कीमत में गिरावट के बावजूद अर्थव्यवस्था में महंगाई का स्तर ऊंचा बना हुआ है। फूड प्राइसेस में बढ़ोतरी और इंडियन करेंसी पर दबाव चिंता का कारण है। महंगाई के आंकड़े अपकमिंग मॉनेटरी पॉलिसी की दिशा तय करेंगे। अब तक पिछले 5 महीनों में आरबीआई महंगाई से निपटने के लिए तीन बार ब्याज दरें बढ़ा चुकी है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

चंद्र अभियान में देरी

नासा के चंद्र अभियान में आ रही बाधा से न केवल वैज्ञानिकों की व्यग्रता बढ़ रही है, बल्कि आधुनिक विज्ञान को लेकर सवाल भी उठने लगे हैं। क्या 50 साल पहले इस्तेमाल हुई तकनीक ज्यादा बेहतर थी और अब जिस तकनीक का इस्तेमाल हो रहा है, वह यथोचित नहीं है? दो बार गैर-मानव अभियान टालने के बाद नासा ने घोषणा की है कि वह अंतरिक्ष में आर्टेमिस को लॉन्च करने का प्रयास करने के लिए दो तारीख, 23 सितंबर या 27 सितंबर पर विचार कर रहा है। आर्टेमिस अभियान की सफलता चंद्रमा और उससे आगे मानव अस्तित्व का विस्तार करने के लिए नासा की प्रतिबद्धता व क्षमता को प्रदर्शित करेगी। नासा को अपना मिशन मून, यानी आर्टेमिस-1 दोबारा टालना पड़ा था, क्योंकि दोबारा फ्यूल लीक की समस्या वैज्ञानिकों के सामने आ गई। कहने की जरूरत नहीं कि आर्टेमिस अभियान के जरिये वैज्ञानिक 50 साल बाद फिर से इंसानों को चांद पर भेजने की तैयारी कर रहे हैं। 2025 में मानव को फिर चांद पर भेजने की योजना है, पर उससे पहले मानव रहित यान का चांद पर जाना व लौटना जरूरी है। आखिर अगली लॉन्चिंग के लिए इंतजार क्यों करना पड़ रहा है? तकनीक की तो अपनी समस्या है ही, इसके अलावा तारों की स्थिति को भी देखना पड़ता है, ताकि प्रक्षेपण के बाद यान सही जगह उतर सके और रास्ते में किसी दुर्घटना का शिकार न हो। अंतरिक्ष में भेजे जाने वाले किसी भी यान का उड़ान पथ धरती और चंद्रमा, दोनों के गुरुत्वाकर्षण पर भी निर्भर करता है। समायोजन ठीक होना चाहिए, तभी यान को टकराने से बचाया जा सकता है। इस हिसाब से अनुकूल स्थिति 19 सितंबर के बाद बनेगी। बहरहाल, बड़ी चुनौती ईंधन लीकेज को रोकना है। यह तो अच्छा है कि उड़ान से पहले ही लीकेज का पता चल जा रहा है और अभियान को टालकर यान व प्रक्षेपण यान की रक्षा की जा रही है। 50 साल पहले वाली तकनीक भले बहुत जटिल थी, पर तब सफलता मिली थी। अब तकनीक अत्याधुनिक है और ईंधन गुणवत्ता में भी परिवर्तन आया है, इसलिए महारत हासिल करने में थोड़ा वक्त लगेगा। वैज्ञानिक मान रहे हैं कि नासा ही नहीं, तमाम वैज्ञानिक बिरादरी को धैर्य रखना होगा। अमेरिका के अलावा चीन भी अंतरिक्ष मिशन में दिलोजान से लगा है और उसकी हालिया सफलताएं आकर्षित कर रही हैं। चीन अभी नासा से पीछे है, पर गौर करने की बात है कि 2019 में चीन चंद्रमा के सबसे दूर क्षेत्र में एक अंतरिक्ष यान को सुरक्षित रूप से उतारने वाला पहला देश बन गया था। भारत के चंद्रयान-2 को अगर सफलता मिली होती, तो भारत भी होड़ में आगे रहता। गौरतलब है कि चंद्रयान-1 अभियान साल 2008 में सफल रहा था। उस यान के जरिये चांद की परिक्रमा करते हुए भारत ने चांद पर पानी के ठोस साक्ष्य हासिल किए थे। हमारे अभियान चंद्रयान-2 से बहुत उम्मीदें थीं, लेकिन अंत समय में यह चांद के करीब पहुंचकर क्रैश लैंडिंग का शिकार हुआ। बताया जाता है कि चंद्रयान-1 और चंद्रयान-2 के बीच तकनीकी परिवर्तन किया गया था। हमें यह ध्यान रखना होगा कि ऐसे अभियान बहुत महंगे होते हैं और इनकी सफलता पर सबकी निगाह होती। सफल तकनीक में आमूलचूल परिवर्तन के बजाय, उसे ही विकसित करना चाहिए। आज के समय में वैज्ञानिकों के बीच प्रतिस्पर्द्धा से भी ज्यादा जरूरी है एक-दूसरे से सीखना, तभी अंतरिक्ष विज्ञान में जल्दी सफलता मिलेगी और उसका लाभ सभी तक पहुंचेगा।

समरकंद में समरबंद की कोशिश

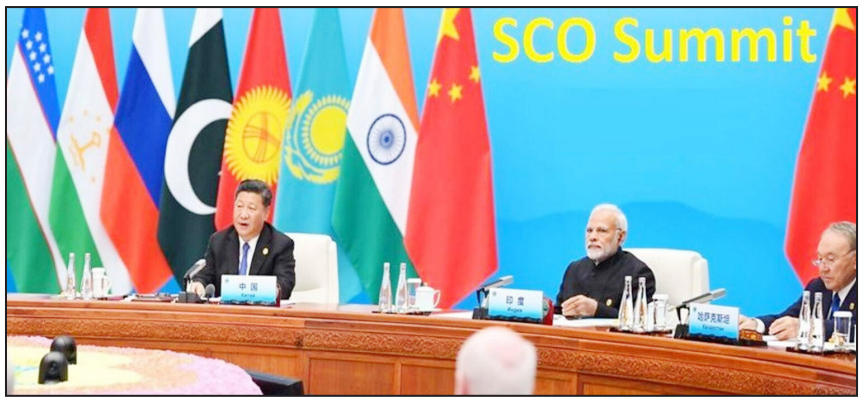

उजबेकिस्तान के समरकंद में 15-16 सितंबर को शांघाई सहयोग संगठन के सदस्य-राष्ट्रों का जो शिखर-सम्मेलन होने वाला है, वह दक्षिण और मध्य एशिया के राष्ट्रों के लिए विशेष महत्व का है। यों तो यह संगठन 2001 में स्थापित हुआ था लेकिन इस बार इसकी अध्यक्षता भारत करेगा। अपने अध्यक्षीय कार्यकाल में अब भारत को अन्य राष्ट्रों के साथ चीन और पाकिस्तान से भी सीधे-सीधे बातचीत करनी होगी। शायद यह भी कारण रहा हो कि चीन और भारत ने मिलकर पूर्वी लद्दाख से अपनी सेनाएं पीछे हटाने की घोषणा की है। यह शिखर सम्मेलन उजबेकिस्तान के एतिहासिक शहर समरकंद में होने वाला है। समरकंद का भारत से गहरा संबंध रहा है। समरकंद का बड़ा एतिहासिक महत्व है। यों तो ताशकंद में प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री गए थे। भारत-पाक समझौते के बाद 1966 में वहीं उनका निधन हो गया था। प्रधानमंत्री नरसिंहराव ताशकंद के साथ-साथ समरकंद भी गए थे। उनके बाद कुछ दिनों तक मुझे भी वहां रहने का मौका मिला था। समरकंद के इस सुंदर शहर में यदि इन पड़ौसी राष्ट्रों के बीच विश्वसनीय सदभाव कायम हो जाए तो इनके बीच चल रहा कूटनीतिक और राजनीतिक समर बंद हो सकता है। समरकंद में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ, चीन के शी चिन फिंग और भारत के नरेंद्र मोदी की सामूहिक भेंट के अलावा यदि द्विपक्षीय भेंट हो गई तो उसके परिणाम काफी सकारात्मक हो सकते हैं। इन तीनों देशों के नेताओं की भेंट हुए अब तीन साल हो गए हैं। इस बीच भारत के संबंध इन देशों के साथ काफी खटाई में पड़ गए हैं। शांघाई सहयोग संगठन के इस समय 8 सदस्य हैं- चीन, भारत, रूस, कजाकिस्तान, किरगिजिस्तान, ताजिकिस्तान, उजबेकिस्तान और पाकिस्तान! इसके चार पर्यवेक्षक राष्ट्र हैं- ईरान, अफगानिस्तान, बेलारूस और मंगोलिया। छह राष्ट्र इसके साथ संवाद भागीदार (डॉयलॉग पार्टनर) हैं। इसमें मिस्र, सउदी अरब और कतर भी शामिल होना चाहते हैं। इस संगठन का मुख्य लक्ष्य मजहबी कट्टरवाद, आतंकवाद और जातीय अलगाववाद से लड़ना है। इसका उद्देश्य आपसी सहयोग बढ़ाना भी है। ये सब लक्ष्य भारत के ही हैं और भारत इन्हें साकार करने में सदा सक्रिय रहता है। मेरी राय यह है कि यह संगठन जितना बड़ा बनता जा रहा है, इसकी लक्ष्य-प्राप्ति उतनी ही पतली होती जा रही है। फिर भी इसकी उपयोगिता तो है ही लेकिन हम जरा सोचें कि दक्षेस (सार्क) तो ठप्प पड़ा है और हम इस विरल संगठन के जरिए कितने आगे बढ़ पाएंगे? इसके लक्ष्य भी सीमित हैं। इसे चलने दें लेकिन इससे भी ज्यादा जरुरी है कि दक्षेस को फिर से जिंदा करना! वह सात साल से मृत पड़ा हुआ है। मैं तो चाहता हूं कि दक्षेस के आठ सदस्य राष्ट्रों में आठ नए राष्ट्रों को जोड़कर एक बड़ा जन-दक्षेस (पीपल्स सार्क) खड़ा किया जाए। ताकि पांचों मध्य एशियाई गणतंत्र म्यांमार, मोरिशस और ईरान भी इसमें जुड़ जाएं और अराकान से खुरासान तक का आर्यावर्त्त का यह इलाका यूरोपीय संघ से भी अधिक मजबूत बन जाए। समरकंद में हमारे प्रधानमंत्री मोदी इसकी पहल करें तो इन देशों में युद्ध और संघर्ष की आशंकाएं सदा के लिए निरस्त हो जाएं।

ब्रिटेन एक कहानी है!

ब्रिटेन क्या है? लोकतंत्र है या राजतंत्र? सेकुलर है या ईसाई देश? गोरों का घर या सभी नस्लों का घरौंदा? वह महाशक्ति या क्षेत्रीय शक्ति? शोषक देश या सभ्य देश? पूंजीवादी या जनकल्याणकारी? राष्ट्रवादी देश या वैश्विक देश? दुनिया की वित्तीय राजधानी या बौद्धिक राजधानी? दिखावों का देश या रियलिटी को जीता हुआ देश?ङ्घ.ऐसे असंख्य सवाल महारानी एलिजाबेथ की मृत्यु और महाराज चार्ल्स तृतीय के राज्याभिषेक की तस्वीरों से उभरते हैं।

सोचें, इक्कीसवीं सदी में राजशाही का एक दरबार और ईसाई धार्मिक अनुष्ठानों के साथ नए राजा का राज्याभिषेक। ऊपर से राजा, रानी, प्रिंस, प्रिंसेस और प्रजा की भावविह्वल श्रद्धांजलि तो नए राजा का जयकारा भी! दुनिया के सभी देश, फिर भले वह ईसाई हो या इस्लामी या हिंदू या सेकुलर या यहूदी या रूस और चीन सभी ने महारानी को श्रद्धांजलि दी है। अधिकांश देशों के झंडे भी झुके। मानों पौने सात करोड़ लोगों के ब्रिटेन की आत्मा राजशाही हो। सबसे बड़ी बात जो अनुदारवादी ब्रितानी हो या उदारवादी, सभी इस भाव में गमगीन थे कि परिवार ने मातृसत्ता खो दी। मगर कोई बात नहीं लांग लिव किंग! लंदन की ह्यद इकॉनोमिस्टह्ल पत्रिका हो या प्रगतिशील-उदार अखबार ह्यद गार्जियनह्ल सभी दिवंगत महारानी और नए महाराज के विमर्श में खोए हुए! इसलिए ब्रिटेन का अर्थ गहरा है। ब्रिटेन एक कहानी है। वह कहानी, जिसकी निरंतरता, जिसका अच्छापन वक्त के साथ बढ़ता हुआ है, खिलता हुआ है। पृथ्वी पर इंसान की मानवीय याकि रामराज वाली कहानियों के कथानक यों तो स्कैंडिनेवियाई देशों स्वीडन, नार्वे, डेनमार्क या हिंद-प्रशांत क्षेत्र के न्यूजीलैंड जैसे देशों में भी है। मगर ब्रिटेन की कहानी कई कारणों से बेमिसाल है। ब्रिटेन का घर दुनिया की हर नस्ल, हर धर्म, हर रंग, हर मिजाज का घरौंदा है। मैं मनुष्य और उसकी गरिमा और मानव आजादी में फ्रांस को अनुकरणीय मानता हूं। लेकिन फ्रांस में अभी भी गोरों का दिल-दिमाग उतना परिष्कृत और संस्कारित नहीं हुआ है जो इक्कीसवीं सदी की जरूरत है। वहां अभी भी दक्षिणपंथी-घोर राष्ट्रवादी राजनीति है। बीसवीं और इक्कीसवीं सदी के इतिहास अनुभव में फ्रांस, जर्मनी, इटली, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, जापान आदि ने लोकतंत्र में अपने नागरिकों को हर तरह आजाद, सशक्त बना कर उन्हें समान अवसर और खुशहाल जीवन दिया है। लेकिन इसके बावजूद ये देश रंग, नस्ल, राष्ट्रवादी बाड़ेबंदी से देश और नागरिकों को बाहर नहीं निकाल सके। इसी केटेगरी में स्कैंडिनेविया के रामराज्य देशों को मानना चाहिए। इन देशों ने भी अपनी सीमाओं में बाहरी लोगों कों नहीं आने दिया। प्रवासियों के लिए वह उदारता नहीं बनी, जो ब्रिटेन में सहज भाव दशकों से बनती हुई है। मैं महारानी एलिजाबेथ के सत्तर साला राज की पहचान और उसकी उपलब्धि यह समझता हूं कि उनके वक्त में ब्रिटेन दुनिया की कहानी बना। ब्रिटेन में किसी ने इस बात की पड़ताल नहीं की है और इसलिए आंकड़ा नहीं है लेकिन यदि कोई खोजे तो सात दशकों का सबसे बड़ा तथ्य ब्रिटेन का वैश्विक मानवता का सेंटर बनना है।

लंदन का वैश्विक सरोकारों का, आदर्श-सुकूनदायी वैश्विक जीवन का मानदंड बनना है। इसलिए महारानी के वक्त में ब्रिटेन बदला। दुनिया के तमाम इलाकों से, तमाम तरह के लोग ब्रिटेन में आकर बसे। लंदन, स्कॉटलैंड, पूरे ब्रिटेन में बाहरी लोगों को सूकून मिलता है। और यही बात नया ब्रिटेन बनाने, उसे मानवता की धरोहर बनाने की राष्ट्रशक्ति है। महारानी एलिजाबेथ के ही वक्त में अफ्रीका से हिंदू मूल के ऋषि सुनक का परिवार ब्रिटेन आ कर बसा। वहां भारत और पाकिस्तान मूल के असंख्य हिंदू और मुसलमान जा कर बसे। उन सबका गजब योगदान! ऋषि सुनक हाल में प्रधानमंत्री बनने की कगार पर थे। मगर मौका लिज ट्रस को सरकार बनाने का मिला तो उसमें भी प्रवासी मूल के कई मंत्री चेहरे! सत्य-तथ्य है कि कंजरवेटिव पार्टी में लिज ट्रस बनाम ऋषि सुनक में नेता पद का कंपीटिशन हुआ तो किसी भी पार्टी नेता या कार्यकर्ता के मुंह से ऐसा एक भी शब्द, जुमला, भाव नहीं निकला कि ऐ इंडियन, ऐ हिंदू तुमने हाथ में लच्छा बांधा हुआ है इंडिया जा कर राजनीति कर!

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

मुंब्रा रेलवे प्लेटफार्म पर तैनात आरपीएफ सब इंस्पेक्टर जावेद शेख और उनके स्टाफ द्वारा लौटाया गया खोया हुआ महिला का पर्स

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। मुंब्रा रेलवे प्लेटफार्म पर ड्यूटी पर तैनात आरपीएफ सब इंस्पेक्टर जावेद शेख और उनके स्टाफ द्वारा एक महिला का पर्स वापस देने का मामला प्रकाश में आया है इस मामले में आरपीएफ सब इंस्पेक्टर जावेद शेख द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार उन्होंने बताया की प्लेटफार्म नंबर एक पर शाम को 7:30 बजे के दरमियान गश्त करते समय मैं और मेरी टीम को एक चॉकलेटी पर्स दिखाई दिया उस पर्स की छानबीन करने के बाद उस पर्स के उसके अंदर

से 27,500/-रूपए नकद एक सैमसंग का मोबाइल और आधार कार्ड और साथ में कांटेक्ट नंबर भी पर्स के अंदर से बरामद किए गए कांटेक्ट नंबर के आधार पर हम लोगों ने फोन लगाया फोन पर जिस महिला का पर्स लोकल ट्रेन में भीड़ के दौरान गिर गया था उसके बेटे से हमारी बातचीत हुई तो उसने बताया कि मेरी मां भायखला से मुंब्रा आ रही थी और तभी ट्रेन में भीड़ होने की वजह से मेरी मां का पर्स गिर गया और मेरी मां बुरी तरह से परेशान हैं फिर हम लोगों ने उसको बुलाया और पूरी छानबीन के साथ में उसकी मां को और बेटे को पूरी रकम मोबाइल फोन आधार कार्ड समेत वापस लौटा दिया इस अवसर पर महिला और उसके बेटे ने आरपीएफ के सब इंस्पेक्टर जावेद शेख और उनका स्टाफ का तहे दिल से शुक्रिया अदा किया और अपने घरों को लौट गए आरपीएफ द्वारा किए गए इस नेक कार्य की लोगों द्वारा प्रशंसा की जा रही है।

मुंब्रा परिसर की अलमास कॉलोनी में सिल्वर फॉक चाइनीस होटल में हुई बैटरी ब्लास्ट

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। मुंब्रा परिसर के अलमास कॉलोनी के नाके पर स्थित सिल्वर फॉक नामी चाइनीस होटल के अंदर इनवर्टर बैटरी ब्लास्ट होने का मामला प्रकाश में आया है यह मामले गत 10 सितंबर शनिवार सुबह 8:30 बजे का बताया जा रहा है इस पूरे मामले में होटल के मालिक नजमुर शहर शेख द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार मुझे सवेरे 9:30 बजे फोन कर सूचित किया गया कि मेरे होटल पर बैटरी ब्लास्ट हुई है तुरंत मैं होटल पर पहुंचा तो मैंने देखा कि मेरे होटल में लगा इनवर्टर बैटरी ब्लास्ट हुआ है मैंने तुरंत सारे कनेक्शन को निकाल कर एक तरफ रख दिया

फिर मैंने देखा इस ब्लास्ट से दीवार में होल हो गया है मैंने दीवार जिसमें होल हुआ था उसको कर्मचारी द्वारा बची हुई दीवार का हिस्सा पूरा निकाल लिया गया ताकि दीवार किसी के ऊपर गिर ना जाए आसपास पान की दुकान भी है उसका ध्यान रखते हुए मैंने कर्मचारियों की मदद से दीवार का हिस्सा पूरा निकाल दिया गया है इस ब्लास्ट से पड़ोस में टैक्स ऑफिस है जिसकी शौचालय की कांच टूट गई थी उसकी मरम्मत मैंने करा दी है इस घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ी मुंब्रा पुलिस और मनपा प्रशासन के अधिकारी भी आए थे और उन्होंने पूरा जायजा लिया और देखा कि बैटरी ब्लास्ट हुई है उन्होंने पूरी जगह का ऑडिट किया है और मुझे रिपोर्ट देने के लिए कहा है उसके बाद जो भी रिपोर्ट आएगी तो मैं कानूनी तरीके से पूरा उसको बनाऊंगा फिलहाल इस घटना में किसी के घायल होने की कोई खबर सामने नहीं आई है।

मुंब्रा रेती मंदिर परिसर में जमीन धंसने से गिरा मकान

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। मुंब्रा रेती मंदिर परिसर में जमीन धंसकर मकान गिरने का मामला प्रकाश में आया है इस मामले में मिली जानकारी के अनुसार गत 10 सितंबर शनिवार रात 11बजे के आसपास रेती बंदर परिसर स्थित राना नगर में नाले के पास की जमीन धंसने से मकान की दीवार गिर गई हैं आपको बताते चलें पिछली दो दिनों से बारिश ने कहर ढाया हुआ है और इसी कहर के चलते मकानों के गिरने के मामले सामने आ रहे हैं पिछले एक दिन पहले कलवा शहर में एक मकान गिरने का मामला सामने आया था रेती मंदिर परिसर स्थित रानी नगर नाले के पास में जो जमीन धंसी

है उसके बारे में बताया जा रहा है दस बाई छ की जमीन धंसी है और एक मकान की दीवार गिर गई है जमीन धंसने से नाले के आसपास बने मकानों पर भी खतरा मंडराने लग गया है इस घटना की सूचना मिलते ही मनपा प्रशासन की आपदा प्रबंधन की टीम और दमकल विभाग की कर्मचारी पहुंच कर राहत बचाव का काम शुरू किया गया मामले की गंभीरता को देखते हुए मनपा प्रशासन द्वारा छह मकान को और खाली करा दिए गए हैं फिलहाल इस दुर्घटना में किसी के हताहत होने की खबर सामने नहीं आई है मनपा प्रशासन द्वारा घटनास्थल के चारों ओर लाल पट्टी लगाकर घेराबंदी कर ली गई है ताकि कोई और दुर्घटना सामने ना आए।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

एनसीपी अधिवेशन में हुआ बड़ा ड्रामा

इसके बाद अजित पवार समर्थक नाराज हो गए और शोर-शराबा करने लगे। प्रफुल्ल पटेल उन्हें शांत करने के लिए कहते रहे कि अजित पवार वॉशरूम गए हैं। वे वॉशरूम से आकर भाषण देंगे।दरअसल हुआ यूं कि शरद पवार के बाद जयंत पाटील को भाषण के लिए बुला लिया गया। जयंत पाटील महाराष्ट्र एनसीपी के अध्यक्ष हैं। जयंत पाटील का भाषण शुरू ही था कि अजित पवार कार्यक्रम छोड़ कर निकल गए। अजित पवार को वक्त कम होने की वजह से बोलने का मौका नहीं दिया गया। इसी वजह से वे नाराज हो गए। हालांकि प्रफुल्ल पटेल मंच से यही कहते रहे कि अजित पवार का भी भाषण होगा। बाद में जयंत पाटील ने भी यह कहा कि कार्यक्रम में वक्ता की सूची में अजित पवार का नाम था। लेकिन अजित पवार बिना बोले ही चले गए। अजित पवार के यूं निकल जाने से कार्यक्रम में अफरा-तफरी मच गई। अजित पवार के समर्थक नाराज हुए। उन्हें शांत करने के लिए प्रफुल्ल पटेल लाख समझाते रहे कि अजित पवार का भी भाषण होगा, लेकिन ना अजित पवार लौटे ना ही उनके समर्थकों की नाराजगी दूर हुई। जयंत पाटील ने मीडिया से कहा कि अजित पवार नाराज नहीं हैं। जयंत पाटील ने सफाई में मीडिया से कहा, अगर कोई लघुशंका के लिए जाता है तो उस पर खबर करने का कोई मतलब नहीं है। शरद पवार साहेब का आखिरी भाषण था। सबको उन्हीं के भाषण का इंतजार था। इसलिए हम सब अपना भाषण नहीं देने का मन बना रहे थे। इस बीच मेरा भाषण शुरू था, तभी अजित पवार लघुशंका के लिए निकल गए। इस बात को इतना तूल देने की जरूरत नहीं है। मीटिंग से बाहर आकर अजित पवार ने नाराज होने की बात ठुकरा दी। उन्होंने कार्यक्रम छोड़ कर आने के मुद्दे पर सफाई देते हुए मीडिया से कहा, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का यह राष्ट्रीय अधिवेशन था। इसलिए अलग-अलग राज्यों के अलग-अलग मान्यवरों ने अपना भाषण दिया। महाराष्ट्र से छगन भुजबल, जयंत पाटील, सुप्रिया सुले, डॉ. अमोल कोल्हे और प्रफुल्ल पटेल ने अपने विचार रखे। लक्षद्वीप, उत्तर प्रदेश, बिहार, केरल जैसे राज्यों से मान्यवर इस अधिवेशन में शामिल होने के लिए आए थे। यह कोई राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का महाराष्ट्र का अधिवेशन नहीं था। यह एनसीपी का राष्ट्रीय अधिवेशन था। इसलिए मैंने भाषण नहीं किया। जो कुछ भी बोलना होगा मैं महाराष्ट्र में बोलूंगा। अजित पवार के इस बयान में उनके दिल का दर्द साफ सुनाई दे रहा है। पवार परिवार में दरार साफ दिखाई दे रहा है। सफाई में चाहे वे कुछ भी कहें।

खुदरा महंगाई के मोर्चे पर बड़ा झटका!

वहीं, पिछले साल अगस्त में यह 3.11 फीसदी रही थी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई), अपनी द्विमासिक मॉनेटरी पॉलिसी को तय करते समय सीपीआई आधारित महंगाई को ही मुख्य तौर पर देखता है। आरबीआई को सरकार ने इसे 4 फीसदी पर रखने को कहा है, जिसके साथ दोनों तरफ 2 फीसदी का टॉलरेंस बैंड दिया गया है। जुलाई महीने में भी यह आंकड़ा आरबीआई के 6 फीसदी के टॉलरेंस लेवल से ज्यादा रहा था। बता दें कि सीपीआई बेस्ड रिटेल महंगाई पिछले आठ महीनों से 6 फीसदी के आंकड़े के ऊपर बनी हुई है। मौजूदा वित्त वर्ष के पहले तीन महीनों में, रिटेल महंगाई 7 फीसदी से ज्यादा रही थी। केंद्रीय बैंक ने मौजूदा वित्त वर्ष के लिए महंगाई दर का अनुमान 6.7 प्रतिशत पर स्थिर रखा है। आपको बता दें कि जब हम महंगाई दर की बात करते हैं, तो यहां हम कंज्यूमर प्राइस इंडैक्स (सीपीआई) पर आधारित महंगाई की बात कर रहे हैं। सीपीआई सामान और सेवाओं की खुदरा कीमतों में बदलाव को ट्रैक करती है, जिन्हें परिवार अपने रोजाना के इस्तेमाल के लिए खरीदते हैं। महंगाई को मापने के लिए, हम अनुमान लगाते हैं कि पिछले साल की समान अवधि के दौरान सीपीआई में कितने फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। आरबीआई अर्थव्यवस्था में कीमतों में स्थिरता रखने के लिए इस आंकड़े पर नजर रखता है। सीपीआई में एक विशेष कमोडिटी के लिए रिटेल कीमतों को देखा जाता है। इन्हें ग्रामीण, शहरी और पूरे भारत के स्तर पर देखा जाता है। एक समयावधि के अंदर प्राइस इंडैक्स में बदलाव को सीपीआई आधारित महंगाई या खुदरा महंगाई कहा जाता है।

सरबजीत सिंह की पत्नी की सड़क हादसे में मौत

इसी बीच यह हादसा हो गया। उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार जब सुखप्रीत कौर अमृतसर के खजाना गेट चौक पर पहुंची तो वह बाइक के पीछे से गिर गईं। जिससे उनके सिर में गंभीर चोट आई है। बताया जाता है कि उन्हें तुरंत अमृतसर के महाजन अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

जोधपुर में जॉयन्टस ग्रुप द्वारा अपना घर आश्रम में आवश्यक सामग्री भेंट की गई

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। जोधपुर में जॉयन्टस ग्रुप ऑफ आशापूर्णा पाल की ओर से श्राद्ध पक्ष के अवसर पर विभिन्न सेवा कार्य आयोजित किए गए। जिसमें अपना घर आश्रम में प्रभुजनों कि सेवार्थ कच्ची खाद्य सामग्री भेंट करना, मरीज के लिए प्लेटलेट्स दान, गायों में फेल रही लम्पी बिमारी की रोक थाम हेतु आयुर्वेदिक दवाओं से निर्मित लड्डू वितरण तथा लम्पी से सम्बंधित फेल रही भ्रांतियों को दूर करने हेतु साथी डॉक्टर द्वारा नेशनल चेनल पर कार्यक्रम का प्रसारण किया गया। ग्रुप अध्यक्ष गौतम धारा ने बताया कि ग्रुप साथी नरेंद्र सिंह, रविन्द्र सिंह तथा नवनीत बोहरा के सहयोग से शास्त्री नगर थाने के पास स्थित अपना घर आश्रम में प्रभुजनों कि सेवार्थ कच्ची खाद्य व सेनिटेशन सामग्री आश्रम संचालन कर्ता को सुपुर्द कि गई वहीं नवनीत बोहरा के द्वारा आपात स्थिति में मरीज के लिए प्लेटलेट्स दान कर अपनी माताजी का जन्मदिन व पिताजी का श्राद्ध मनाया तो दुसरी तरफ डॉ महेश सोलंकी का नेशनल चेनल रिपब्लिक भारत पर गायों में फेल रही लम्पी बिमारी का असर मनुष्यों में हो सकता है क्या तथा गाय के दुध के उपयोग से बिमारी हो सकती है क्या, ऐसी भ्रांतियों पर ध्यान नहीं देने पर बताया गया। डॉ सोलंकी द्वारा जोधपुर के मिल्क मेन कॉलोनी में आयुर्वेदिक दवाओं से निर्मित लड्डू गौमाता मे रोगप्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने हेतु खिलाए गए। कार्यक्रम मे फाउंडेशन 9 के उपाध्यक्ष के सी भाटी, निदेशक अभिषेक गुप्ता, ग्रुप अध्यक्ष डॉ देवेश गुप्ता, उपाध्यक्ष नरेंद्र सिंह राठौड़, मुकुट माथुर, अरुण अग्रवाल, रविन्द्र सिंह राठौड़, नवनीत बोहरा व अन्य सदस्यों कि उपस्थिति रही। उक्त जानकारी वरिष्ठ समाजसेवी नरेंद्र सिंह राठौड़ ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

फेल होने और अंक पत्रों में गड़बड़ियों से नाराज
छात्र छात्राओं का कानपुर विश्वविद्यालय में हंगामा

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। फेल होने और अंक पत्रों में गड़बड़ियों से नाराज छात्र छात्राओं विश्वविद्यालय में हंगामा परेशान छात्र -छात्राओं ने दी आत्महत्या की भी चेतावनी सुनील बाजपेई कानपुर। आज यहां सोमवार को परी में फेल होने और अंक पत्रों में गड़बड़ियों के खिलाफ आक्रोशित छात्र छात्राओं ने छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय में जमकर हंगामा पूर्ण प्रदर्शन किया। नाराज छात्रों ने अंकपत्र में नंबर न चढ़ाने और मौजूद होने के बावजूद संबंधित विषय में फेल कर देने का आरोप भी लगाने के साथ ही आत्महत्या करने की भी चेतावनी दी है। इस बीच जब हंगामे की सूचना विश्वविद्यालय प्रशासन को हुई तो कुलसचिवदिनेश मौर्य व अधिकारी पहुंचे। उन्होंने छात्राओं को समझाने की कोशिश की लेकिन कुलपति से मिलने की जिद करने लगी। इसके बाद पुलिस बुलाई गई तो छात्र-छात्राओं की एक दरोगा से नोकझोंक भी हुई। बाद में उसने प्रार्थना पत्र लेकर उन्हें शांत कराया। अवगत कराते चलें कि एसएस सेन पीजी कॉलेज, डीजी कालेज, सरस्वती महिला महाविद्यालय, वीएसएसडी आदि कालेजों के हजारों विद्यार्थियों के अंक पत्रों में गड़बड़ियां हैं। किसी विद्यार्थी को परीक्षा में फेल कर दिया गया है तो किसी का रिजल्ट रोक दिया गया है। और यही वजह छात्र - छात्राओं में नाराजगी की वजह बनी हुई है।

◆ आईबीएफए के मंडल अध्यक्ष नदीम खान द्वारा सलीम कुरैशी का मोमेंटो देखकर सम्मान करते हुए।

खाकी के गुरुर में कोर्ट मे पेश ना होना एसएचओ को भारी पड़ा, कोर्ट ने पांच हजार का जुर्माना भी लगाया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। कहते हैं कि जब कुर्सी का नशा सर चढ़ जाता हैं तो उसे आगे पीछे कुछ दिखाई नही देता हैं। ऐसा ही एक मामला सामने आया हैं। दिल्ली नंदनगरी थाने के प्रभारी को कोर्ट आदेश के बाबजूद कोर्ट मे पेश ना होना भारी पड़ गया। कोर्ट ने उन पर पांच हजार रुपए का जुर्माना लगा कर अगली तारीख पर जमा कराने के निर्देश दिए हैं। मामला दिल्ली की अतरिक्त सीनियर सिविल जज शहादरा शमीक्षा गुप्ता की कोर्ट का हैं। दिल्ली हाई कोर्ट के एडवोकेट राजेन्द्र सिंह उर्फ राजा भईया ने इस कोर्ट में एक वाद दायर किया था जिस पर कई बार उपरोक्त थाने के थाना प्रभारी को नोटिस कर कोर्ट में पेश होने के आदेश दिए गए थे परन्तु एसएचओ को थानेदारी का गुरुर और कुर्सी का नशा इतना था कि वह कोर्ट आदेश मिलने के बाद भी कोर्ट मे पेश नही हुए और आदेश की अवहेलना करते रहे। मजबूरन कोर्ट ने उनके विरुद्ध पांच हजार रूपए के जमानती वारंट जारी कर दिए पर उसके बावजूद भी थानेदार कोर्ट में हाजिर नही हुए, जिस पर एडवोकेट आर. एस. राजा की बहस सुनने के बाद कोर्ट ने थाना प्रभारी थाना नंदनगरी को पांच हजार रुपए आगामी तारीख पर कोर्ट मे बतौर जुर्माना जमा कराने और संबन्धित डीसीपी के द्वारा फिर से थाना प्रभारी के पांच हजार रुपए व एक जमानती की जमानत के साथ ,जमानती वारंट जारी किये हैं। अब देखना है कि आगामी तारीख पर भी एसएचओ कोर्ट मे पेश होते है या नही उपरोक्त बाबत प्रेस नोट और कोर्ट आदेश कि सत्यप्रति राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को देते हुए यह जानकारी स्वयं एडवोकेट राजेन्द्र सिंह तोमर उर्फ राजा भैया दी हैं, उन्होंने कहा कि ये बड़ी अजीब और गंभीर बात हैं कि कोर्ट के बार बार बुलाने और जमानती वारंट जारी होने के बावजूद भी एक थाना प्रभारी कोर्ट मे हाजिर नही हो रहें है तो ऐसे मे पीड़ित को आखिर न्याय कैसे मिलेगा? ऐसे पुलिस अधिकारियो के विरुद्ध तो कड़ी से कड़ी कार्यवाही होनी ही चाहिए।

स्मुरना ए.जी. चर्च कायनात ह्यूमन डेवलपमेंट सोसाइटी द्वारा शिविर

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

भोपाल। आजादी का अमृत महोत्सव स्वस्थ भारत अभियान डेंगू मलेरिया की रोकथाम के लिए कायनात ह्यूमन डेवलपमेंट सोसाइटी द्वारा निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन स्मुरना ए.जी. चर्च प्रार्थना भवन कल खेड़ा रोड नाथू बरखेड़ा नीलबड़ मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ प्रभाकर तिवारी निर्देशन में एवं जिला मलेरिया अधिकारी अखिलेश दुबे जी के मार्गदर्शन में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया शासकीय मलेरिया डिपार्टमेंट की टीम के द्वारा मलेरिया की जांच की गई आई चेक अप प्रकाश नेत्रालय हॉस्पिटल की टीम के द्वारा आई चेकअप किया गया डेंनेशिया डेंटल हॉस्पिटल की टीम के द्वारा दंत से संबंधित चेकअप किया गया आसपास के क्षेत्र से आए हुए 250 से 300 लोगों को इसका लाभ मिल प्रार्थना भवन चर्च फादर एम नरेंद्र कुमार सिंह फादर ने सभी डॉक्टरों की प्रशंसा की जिन लोगों को इसका लाभ मिला उन लोगों ने खूब आशीर्वाद दुआओं से नवाजा सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम सीएमसीएलडीपी बीएसडब्ल्यू छात्र विकासखंड फंदा कायनात ह्यूमन डेवलपमेंट सोसाइटी के अध्यक्ष वरिष्ठ समाजसेवी शेख फैयाज ने बताया कि संस्था द्वारा निरंतर स्वास्थ्य पर कार्य किए जा रहे हैं स्वस्थ भारत के निर्माण में सहयोग करें अपना चेकअप जरूर कराएं एक छोटा सा प्रयास स्वस्थ जीवन का आधार।

कबीर जितेंद्र श्रीवास्तव
जन्मदिन : 14/9/2022
पहले जन्मदिन
की बहोत बहोत शुभकामना
शुभेच्छुक : श्याम कुमार गुप्ता
संपादक : हमारा स्वाभिमान न्यूज

बेटे ने मां व दो सगी बहनों पर किया जानलेवा हमला, एक बहन की हालत गंभीर, आरोपी फरार

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान के सीकर जिले के रींगस थाना इलाके के बावड़ी गांव में एक कलयुगी बेटे ने अपनी ही मां व दो सगी बहनों पर जानलेवा हमला कर दिया। हमले में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गई। जिन्हें इलाज के लिए रींगस के निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जहां हालत गंभीर होने पर एक बहन को प्राथमिक उपचार के बाद जयपुर रेफर किया गया है। पुलिस जानकारी के अनुसार बावड़ी गांव निवासी आरोपी रामलाल ने घरेलु विवाद में अपनी मां बिदामी देवी व दो सगी बहनों मुन्नी व अनीता पर जानलेवा हमला कर दिया। जिसमें हालत गंभीर होने पर अनीता को जयपुर रेफर कर दिया गया है। जबकि मां बिदामी देवी व बेटी मुन्नी रींगस के निजी अस्पताल में उपचाराधीन है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। उक्त जानकारी जयपुर के पत्रकार बाबू अंसारी ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

देश में पत्रकारों के साथ बेवजह अत्याचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा: पांडेय

समाजसेवी व उद्योगपति महेन्द्र नाथ सिंह ने प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट के सम्मानित चिन्ह का विमोचन किया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। मुंबई में प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट के सम्मानित चिन्ह का विमोचन करते हुए समाजसेवी व उद्योगपति महेंद्र नाथ सिंह व प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेन्द्र कुमार पाण्डेय। अगर हम उद्योगपति महेन्द्र नाथ सिंह के बारे में बात करें तो वह बहुत ही सरल स्वभाव व हर धर्म को साथ में लेकर चलने वाले समाजसेवी हैं और ये हर सामाजिक कार्य में बढ़चढ़ कर हिस्सा लेते है। ऐसे सभी सामाजिक व्यक्तियों को प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट सम्मानित करना चाहता है और कर भी रहा हैं। उन्होंने कहा कि सभी को प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट का सदस्य बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट सदैव पत्रकारों के हितार्थ समर्पित एवं कृतसंकल्पित हैं। उन्होंने सभी पत्रकारों से देश में उभरते एवं तेज गति से बढ़ते पत्रकार संगठन प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट से जुड़ने का आह्वान किया हैं। उन्होंने कहा कि प्रिंट मीडिया में तेज तर्रार पत्रकार एवं राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ का बहुत ही अच्छा सहयोग मिल रहा हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान में कोई भी पत्रकार सदस्यता हेतु राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष भैरु सिंह राठौड़ से संपर्क कर सकता हैं। उन्होंने कहा कि सभी पत्रकार एकजुटता का परिचय देते हुए संगठन की सदस्यता ग्रहण करें ताकि देश में कहीं पर भी पत्रकारों के साथ होने वाले अत्याचारों का डटकर मुकाबला किया जा सके। उन्होंने कहा कि देश में कहीं पर भी पत्रकारों के साथ बेवजह मारपीट व अत्याचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने सभी पत्रकारों से संगठन से जुड़ने का आह्वान किया हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
जरूरी सूचना
पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेज सकते हैं.
धन्यवाद... संपादक
9821238815

जसमेंदर को मिल रहा है हर समाज का भरपूर समर्थन

मुंबई हलचल / फहीम अहमद राज

हरिद्वार में जैसे ही त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव का ऐलान हुआ और जैसे-जैसे चुनाव की तारीख नजदीक आती जा रही है वैसे ही चुनावी मैदान में डटे प्रत्याशियों की धड़कने भी बढ़ती जा रही हैं और हर प्रत्याशी अपनी जीत को लेकर आश्वस्त है और मतदाताओं के बीच जाकर नए नए प्रलोभन देकर विकास के वादे साथ मतदाताओं को अपने पक्ष में करने का भरपूर प्रयास किया जा रहा हैं, जनपद हरिद्वार के ब्लॉक रुड़की के गांव भोरी से ग्राम प्रधान का चुनाव लड़ रहे जसमेंदर प्रधान को गांव में सभी जाति धर्म तबके का साथ मिल रहा है, गांव के मतदाताओं का कहना है कि प्रधान जसमेंदर एक धर्मनिरपेक्ष छवि का व्यक्ति है वह सभी धर्म जाति के लोगों के बीच उनके सुख-दुख में बना रहता है और दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सब लोगों के दुख सुख में कंधे से कंधा मिलाकर चलता है गांव में किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं है और जसमेंदर के नेतृत्व में भोरी गांव का विकास होगा और किसी भी तरह का संप्रदायिक माहौल खराब नहीं होगा जसमेंद्र प्रधान वोटों की राजनीति नहीं करते है, वह हर पीड़ित के साथ कंधे से कंधा मिलाकर उस को न्याय दिलाने का भरपूर प्रयास करता है, यही कारण है कि आगामी चुनाव में प्रधान जसमेंदर को ग्राम के सभी धर्म जाति वर्ग का भरपूर समर्थन मिल रहा है, जसमेंदर प्रधान की अगर बात करें तो पिछली योजना में भी वह मामूली वोटों के अंतर से चुनाव हार गए थे चुनाव हारने के बाद भी वह 8 वर्षों से जनता के बीच में रहकर ग्रामीणों की सेवा करने का कार्य कर रहे हैं उनकी इसी सेवा भावना को देखकर ग्रामीणों में उनको प्रधान बनाने का पूरा जोश भरा हुआ है।

वीर शहीद अब्दुल हमीद को मुस्लिम महासंघ ने खिराज ए अकीदत पेश की

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

उदयपुर। मुस्लिम महासंघ प्रदेश उपाध्यक्ष सैयद दानिश अली ने बताया कि वीर शहीद अब्दुल हमीद के शहादत दिवस के मौके पर उदयपुर स्थित चेतक सर्कल पर उनको खिराजे अकीदत पेश की गई। अब्दुल हमीद का जन्म 1 जुलाई 1933 को यूपी के गाजीपुर में हुआ था 20 साल में सेना में शामिल, पाक से 1965 जंग में मोर्चे पर भेजा गया पंजाब के खेमकरण सेक्टर में 7 पाकिस्तानी पैटन टैंकों को किया तबाह,अदम्य वीरता और साहस के लिए मरणोपरांत परमवीर चक्र से सम्मानित। राष्ट्रीय अध्यक्ष हाजी मोहम्मद बक्श ने कहा कि परमवीर चक्र विजेता वीर अब्दुल हमीद ने 10 सितंबर 1965 में पाकिस्तान के 7 पैटन टैंको पर हमला करने का जो साहसिक कार्य किया था वह कभी भुलाया नहीं जा सकता। प्रदेश अध्यक्ष हनीफ खान ने कहा कि शहीद वीर अब्दुल हमीद जैसे सच्चे देशभक्तों से प्रेरणा लेनी चाहिए। देश का मुसलमान देश की आन बान शान के लिए मरना मिटना जानता है। शहीद वीर अब्दुल हमीद का नाम व बहादुरी का कार्य हमारे दिलों में हमेशा के लिए जिंदा रहेगा। इस मौके पर मुस्लिम महासंघ राष्ट्रीय अध्यक्ष हाजी मोहम्मद बक्श,राष्ट्रीय महासचिव के आर सिद्दीकी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हाजी शफी मैके, हाजी शफी इंजी,प्रदेश अध्यक्ष हनीफ खान,संभाग अध्यक्ष तौकीर रजा,माजिद खान,अहमद इंजी,संभाग सचिव असलम खान,जिला सचिव अय्यूब खान, मोहसिन खान,फैसल खान आदि पदाधिकारी एव कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कुर्ला एल/विभाग मनपा प्रभाग क्र.156 बना अवैध निर्माण का हब

ईमारती खाते के कनिष्ठ अभियंता आकाश पवार अवैध निर्माणों को ध्वस्त करने में नाकाम

सेटिंगबाज हवाला किंग यूसुफ शेख

एल/विभाग मनपा सहायक आयुक्त महादेव शिंदे को किया जा रहा है गुमराह

ईमारती खाते के भ्रष्ट कनिष्ठ अभियंता आकाश पवार का निलंबन कब?

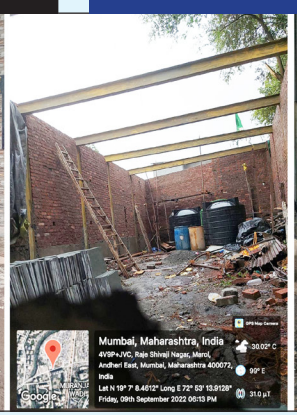

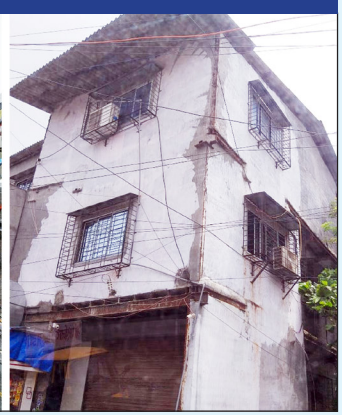

मुंबई हलचल / अजय उपाध्याय

कुर्ला/मुंबई। एल विभाग मनपा क्र.156 अधिनस्थ हंसा इंडस्ट्रीयल इस्टेट साकी विहार रोड समीप पिकनिक होटल के पास मालिक अजीज चौधरी व ठेकेदार अकील शेख वाजिद शेख हवाला किंग यूसुफ शेख भूमाफियाओं द्वारा मनपा प्रभाग 156 में आसीन भ्रष्ट कनिष्ठ अभियंता आकाश पवार से सांठगांठ कर वहाँ के लोकल भूमाफियाओ के बलबूते सतत 12000 स्क्वायर फिट तीन मंजिलाअनधिकृत गालो का नवनिर्माण किया जा रहा है पहिले मंजिले पर अवैध गेस्ट हाउस और तीसरे मंजिले पर हुक्का पार्लर बनाया गया है वही विभागीय क्षेत्रों में अकील शेख/ वाजिद शेख द्वारा अनगिनत गाले का नवनिर्माण किया गया है और ठेकेदार अकील शेख और वाजिद शेख के अवैध बांधकाम को निष्कासित करने में कनिष्ठ अभियंता नाकाम साबित हो रहे है। इसलिए केबीएम कम्पाउंड मिलिट्री रोड राजे शिवाजी नगर मरोल अंधेरी (पु.) में बांधकाम धड़ल्ले से हो रहा है जिससे भोले भाले सहायक आयुक्त महादेव शिंदे के आंखों में धूल झोंककर उनको गुमराह किया जा रहा है। मनपा के ईमारती खाते के भ्रष्ट अभियंता अवैधनिर्माणकर्ता व भूमाफियाओ को दिखावटी खानापूर्ति के लिए नोटिस जारी कर देते है मगर कार्रवाई के नाम पर शिकायतकर्ताओं को भी गुमराह किया जाता है। बता दे कि उक्त प्रभाग क्र.156 अधीनस्थ अवैध निर्माणों को धाराशायी करने हेतु कनिष्ठ अभियंता आकाश पवार को शिकायत पर शिकायत की जा रही है किन्तु उनके कानों पर जूं तक नही रेंग रहा है शायद जिसका मुख्य कारण है कि इन्हें संबंधित अवैध निर्माणकर्ताओं व भूमाफियाओं द्वारा भ्रष्टाचार की मलाई का पैकेट पहुचाया जा चुका है इसलियें मनपा ईमारती खाते के कनिष्ठ अभियंता तोड़क कार्रवाई करने में नाकाम साबित हो रहे है।

आसींद में अखिल राजस्थान प्रबोधक संघ ब्लॉक शाखा की बैठक संपन्न

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। भीलवाड़ा जिले के आसींद में अखिल प्रबोधक संघ ब्लॉक शाखा आसींद के तत्वावधान में ब्लॉक कार्यकारिणी की बैठक सवाई भोज मंदिर प्रांगण में सोमवार को दोपहर 2:00 बजे आयोजित हुई। बैठक में मुख्य अतिथि नरेंद्र सिंह राणावत प्रदेश संगठन मंत्रसं, विशिष्ट अतिथि जसवंत सिंह सिसोदिया मीडिया प्रभारी एवं अध्यक्षता शंकरलाल प्रजापति ब्लॉक अध्यक्ष ने की। बैठक में सर्वसम्मति से अखिल राजस्थान प्रबोधक संघ का जिला स्तरीय शैक्षिक सम्मेलन 23 सितंबर को आसींद में आयोजित होगा।बैठक में शैक्षिक सम्मेलन को लेकर रूपरेखा बनाई गई। कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु विभिन्न प्रकार की व्यवस्था समितियों का गठन कर आवश्यक जिम्मेदारियां प्रदान की गई। इस अवसर पर सचिव जीव नाथ योगी, कोषाध्यक्ष संपत लाल शर्मा, सह कोषाध्यक्ष देबीलाल गुर्जर, संगठन मंत्री ललित कुमार पारीक, जिला प्रतिनिधि अशोक कुमार गर्ग, बसंत कुमार खटीक, उपाध्यक्ष रोशन लाल रेगर, संजय खांडल, जिला मीडिया प्रभारी ईश्वर लाल भील सहित ब्लॉक पदाधिकारी उपस्थित थे। उक्त जानकारी ईश्वर लाल भील ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

पाइप लाइन बिछाने के लिए खोदी सड़क, नलों को क्षतिग्रस्त होने से ठप हुई जलापूर्ति, साइको लोग पीने के पानी के लिए परेशान

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलढाणा। पिछले कई माह से इकबाल नगर परिसर में पाइप लाइन बिछाई जा रही है। लेकिन बुलढाणा नगर पालिका का कोई नियोजन ना होने से और ठेकेदार की मनमानी के कारण वार्ड वासियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शहर के इकबाल नगर से मिर्जानगर जाने वाला रोड पर पाइप लाइन डालने के लिए ठेकेदार ने जेसीबी से नाली खुदाई के दौरान वार्ड के नागरिकों को पेयजल पहुंचाने वाले नलों को क्षतिग्रस्त कर दिया। जिससे वार्ड के सैकड़ों लोगों को पीने पानी के लिए परेशान होना पड़ा। इससे करीब करीब एक घंटे तक सडक से 6 फिट ऊंचा फव्वारा उठता रहा। इससे लाखों लीटर पानी सड़क पर बह गया। स्थिति यह है कि खुद ही गई सीसी सड़क के लोहे के गज ऊपर निकले हुए हैं, जिससे मार्ग में जानलेवा स्थिति बनी हुई है। यहां पूरे मार्ग में दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। परिसर की छोटे बच्चे भी दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। इस मार्ग पर चलने से आए दिन छोटी मोटी दुर्घटना होती रहती है। नगर वासियों ने नगरपालिका से मांग की है कि जल्द कार्य पूरा करके पीने के पानी की आपूर्ति की जाए।

वार्डवासी की समस्याओं से जनप्रतिनिधि अनजान?

वार्ड वासियों ने बताया है कि पिछले 2 दिन पहले ठेकेदार ने जेसीबी मशीन से नाले की खुदाई कराई गई। जिससे कई लोगों के घरों के नल कनेक्शन के पाइप कट गए। जिससे वार्ड के सैकड़ों लोगों को पानी के लिए परेशान होना पड़ा। लेकिन वार्ड की समस्याओं पर ध्यान देने के लिए कोई जनप्रतिनिधि दिखाई ही नहीं दे रहा है, वार्ड में सफाई की पुख्ता व्यवस्था नहीं है। नालियों की साफ सफाई ना होने की वजह से वार्ड में नाले नालियों की स्थिति बहुत गंभीर है। नगर निगम के अधिकारी गंदगी की समस्या पर बिल्कुल ध्यान नहीं दे रहे।

विमला वर्मा टोंक जिलाध्यक्ष मनोनीत

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़ / राजस्थान। राष्ट्रीय कांग्रेस परिवार पार्टी के संरक्षक कमलनाथ भोपाल एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेंद्र नाहटा के निर्देशानुसार महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष बदाम देवी तुनगरिया ने संगठन का विस्तार करते हुए टोंक जिला अध्यक्ष के पद पर विमला वर्मा पत्नी बसंत कुमार वर्मा निवासी शिवाजी कॉलोनी निवाई को नियुक्त किया है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

ब्यूटी के बहुत काम आएंगी घर में नजरअंदाज की जाने वाली ये चीजें

हर लड़की को ब्यूटी से जुड़ी कोई न कोई समस्या जरूर होती है। किसी एक समस्या को दूर करने के लिए वे इतनी परेशान होती है कि बाजार से ढेरों तरह के ब्यूटी प्रॉडक्टस खरीद लाती है। बहुत कम लोग जानते हैं कि हमारी रसोई घर में बहुत सी ऐसी चीजें हैं, जिनसे हम ढेरों तरह की सौदर्य से जुड़ी दिक्कतों को आसानी से दूर कर सकते हैं। जिसके लिए अलग से पैसे भी खर्च नहीं करने पड़ते और किसी भी तरह का साइड इफैक्ट होने का डर भी नहीं रहता। आइए जानें आसानी से घर में मिलने वाली कौन सी चीजें हैं, जिसे आप नजरअंदाज कर रहे हैं।

1. टूथपेस्ट

हर कोई सुबह सबसे पहले लोग दांत साफ करने के लिए टूथपेस्ट का ही इस्तेमाल करते हैं लेकिन यह इसके अलावा भी और बहुत से काम आ सकता है। चेहरे पर मुंहासे हो गए हैं तो थोडा सा टूथपेस्ट लगा लें। यह पिंपल्स को खत्म कर देगा। इसके अलावा कांच का टेबल और दरवाजे साफ करने में भी ये बेहद कारगर है।

2. बासी लार

बासी लार किसी दवाई से कम नहीं है। सुबह उठते ही मुंह में आने वाली पहली लार को पिंपल्स पर लगा लें। इससे ये एक ही दिन में गायब हो जाएंगे और किसी भी तरह का कोई निशान भी नहीं पड़ेगा।

3. बेकिंग सोडा और नींबू

किचन में खाने के लिए इस्तेमाल होने वाला बेकिंग सोडा दांतों का पीलापन दूर करने में मददगार है। थोड़ा-सा बेकिंग सोडा लेकर इसमें नींबू का रस मिलाएं और इस पेस्ट से दांतों को साफ करें। इस बात का खास ध्यान रखें कि इसे हफ्ते में सिर्फ एक बार ही इस्तेमाल करें और 30 सैकेंड से ज्यादा दांत साफ न करें।

4. प्याज

प्याज का रस बालों के लिए बेहद कारगर है। इससे बाल झड़ने का परेशानी से छुटकारा मिलता है। आप भी झड़ते बालों से टेंशन में रहते हैं तो इसके रस को निकाल कर बालों की जड़ों में लगाएं। फायदा मिलेगा।

5. क्रोसिन की गोली

जरा सा बुखार होने पर लोग क्रोसिन की गोली खाना सही समझते हैं लेकिन यह बालों में होने वाली रूसी को खत्म करने में भी बेहद कारगर है। इसमें पाया जाने वाला सिलीसिलिक एसिड बालों से डैड्रफ को पूरी तरह से हटा देता है। उसकी एक गोली को पीसकर अपने शैंपू में डालकर इससे बाल धोएं। इस बात का ध्यान रखें कि इसे 5 मिनट से ज्यादा अपने बालों पर लगा न रहने दें। इससे डैड्रफ से छुटकारा मिलेगा। इसका इस्तेमाल हफ्ते में एक बार ही करें। किसी तरह की इंफैक्शन होने पर इसका इस्तेमाव तुरंत बंद कर दें।

करीना की तरह Cheek bones पाने के लिए ट्राई करें ये 3 तीन स्टेप

करीना कपूर के परफैक्ट मेकअप का हर कोई दिवाना है। रेड कारपेट हो, फैमिली फंक्शन या एयरपोर्ट लुक वह हर समय बेहद खूबसूरत लगती हैं। परफैक्ट चीक बोन्स इस पौधे से बालों की हर छोटी से बड़ी समस्या दूर हो जाती है। बाल छड गए हैं तो एलोविरा जैल को नियमित रूप से बालो में लगाते रहने से नए बाल उगने लगते हैं। आइए जानें कौन-कौन से हैं इसके फायदे।

उनकी सुंदरता को और बढ़ा देते है। इस तरह की चीक बोन्स पर मेकअप और भी अच्छे से उभर कर आता है। आजकल हर लड़की करीना की तरह ही चीक बोन्स पाना चाहती है ताकि वह भी परफैक्ट लगें। आज हम आपको करीना की तरह डिफाईन शेप वाले चीक बोन्स बनाने के तीन आसान टिप्स बताएंगें, जिन्हें अपनाकर आप अपनी खूबसूरती पर चार चांद लगा सकती हैं। तो आइए जानते है करीना की तरह क्यूट चीक बोन्स पाने के आसान स्टेप।

सामान-
ब्रॉन्जर के लिए स्किन टोन क्रीम या पाउडर
शिमरी ब्लश
हाईलाइटर

स्टेप 1

सबसे पहले चीक्स को अंदर की तरफ सिकोड़ लें। अब एक एंगुलर ब्रश से गालों पर ब्रॉन्जर लगाएं। ब्रॉन्जर को हेयरलाइन की तरफ ले जाकर ब्लेंड करें। अगर आपका माथा चौड़ा है तो आप ब्रॉन्जर को वहां पर भी अप्लाई करें।

स्टेप 2

दूसरे स्टेप में अपनी चीक बोन्स को हाईलाइट करें। ऐसा करने से मेकअप उभर कर आएगा और आप पहले से ज्यादा खूबसूरत लगेंगी।

स्टेप 3

इसके बाद अपने एप्पल ऑफ चीक्स में शिमरी ब्लश लगाएं। इससे गाल खूबसूरत लगने के साथ ही नैचुरल भी लगेंगे।

एलोविरा के साथ तेजी से लंबे करें बाल

बालों का झडना, रूखापन, असमय सफेदी, रूसी और न जाने कौन-कौन सी समस्याएं आजकल आम सुनने को मिलती हैं। इन सबके पीछे का कारण बालों की सही तरह से देखभाल न करना, मंहगे लेकिन कैमिक्ल युक्त प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल, बालों पर किए जाने वाले जरूरत से ज्यादा एक्सपेरिमेंट, खान-पान में गड़बड़ी, प्रदूषण के अलावा और भी बहुत से कारण हैं। जिससे लड़कियां तो क्या लड़के भी परेशान रहते हैं लेकिन बालों से जुड़ी हर समस्या के लिए वरदान है एलोविरा। यह एक औषधिय पौधा है, जिसे ग्वारपाठा, धृतकुमारी आदि और भी बहुत से नामों से जाना जाता है। इसका इस्तेमाल प्राचीन काल से ही औषधि के रूप में किया जाता रहा है। एलोविरा जैल में 20 मिनरल्स, 12 विटामिन्स, 18 अमीनो एसिड्स और 200 प्रकार के न्यूट्रियन्ट्स पाएं जाते हैं। लोग इसका इस्तेमाल सेहत से जुड़ी बहुत सी समस्याओं के लिए करते हैं। इसके साथ ही ब्यूटी से जुड़ा कोई भी हर्बल प्रॉडक्ट हो इसके बिना नहीं बनता। इसी कारण इसे चमत्कारी औषधि भी कहा जाता है।

बालों के लिए एलोविरा के फायदें

बालों का झडना बंद

रोजाना कंघी करते समय थोड़े से बाल झडना आम बात है लेकिन बाल टूट कर ज्यादा गिर रहे हैं तो तुरंत एलोविरा का इस्तेमाल करना शुरू कर दें। अपने शैंपू में दोगुनी मात्रा में एलोविरा का ताजा जैल मिलाकर बाल धोएं। इससे बालों को विटामिन और मिनरल्स समेत पूरा पोषण मिलेगा और यह मजबूत होने शुरू हो जाएंगे।

घने और चमकदार बाल

घने और चमकदार बालों की चाहत रखते हैं तो एलोविरा आपके लिए बैस्ट है। इसके लिए एलोविरा जैल, थोड़ा सा नारियल का तेल, दूध और शैंपू को अच्छे से मिला लें। हफ्ते में दो बार इस शैंपू से बाल धोएं। कुछ ही दिनों में बालों में चमक आनी शुरू हो जाएगी।

चिपचिपाहट करें दूर

बाल धोने के बाद भी चिपचिपे नजर आते हैं तो एलोविरा जैल बिना रूखेपन के आपकी ये परेशानी दूर कर देगा। ताजे एलोविरा जैल को पत्ते से निकाल पर मिक्सी में पीस लें। अब इसे बालों की जड़ें में तेल की तरह आधे घंटे के लिए लगाएं। इसके बाद शैंपू से बाल धोएं।

रूसी से छुटकारा

रूसी बाल झडने का सबसे बड़ा कारण है। एंटी डैड्रफ शैंपू कुछ समय के लिए तो बालों से रूसी को राहत दिला देते हैं लेकिन इस्तेमाल करने के बाद दोबारा फिर से यह परेशानी होनी शुरू हो जाती है। ऐसे में एलोविरा रूसी को पूरी तरह खत्म कर सकता है। एलोविरा के जूस में थोड़ा-सा नींबू का रस और ऑलिव ऑयल मिलाकार बालों पर लगाए और 15-30 मिनट बाद धो लें।

हेयर ग्रोथ के लिए

एक कप एलोविरा जैल में 2 चम्मच मेथी का पाउडर, 1 चम्मच कैस्टर ऑयल डाल कर मिक्स कर लें। इसे बालों पर मास्क की तरह लगाएं और 1 घंटे बाद बाल धो लें और हफ्ते में 2 बार इसका इस्तेमाल करें।

प्याज और एलोविरा

एलोविरा जैल और प्याज को बराबर मात्रा में मिला कर बालों की जड़ों में लगाएं। एक घंटे तक बालों में लगा रहने के बाद शैंपू से धो लें।

शहद और एलोविरा

बालों में किसी भी तरह की इंफैक्शन है तो एलोविरा जैल में शहद मिलाकर बालों की जड़ों में लगाएं। इसे आधा घंटा लगा रहने के बाद धो लें। इससे बहुत फायदा मिलेगा।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

गैंगस्टर के रोल में नजर आएंगे संजय दत्त

साउथ इंडियन फिल्म डायरेक्टर लोकेश कनगराज अपनी अपकमिंग फिल्म की तैयारियों में लगे हुए हैं। कुछ समय पहले यह खबरें आई थीं कि इस फिल्म में साउथ सुपरस्टार थलपति विजय लीड रोल में नजर आएंगे। जिसे लेकर विजय के फैंस काफी एक्साइटेड हैं। इस बीच खबरें भी आ रही हैं कि डायरेक्टर लोकेश ने अपनी अगली फिल्म में बॉलीवुड एक्टर संजय दत्त को भी फाइनल कर लिया है। हालांकि, अभी तक फिल्म का नाम सामने नहीं हैं। खबर की माने तो इस फिल्म में संजय दत्त गैंगस्टर के अवतार में नजर आएंगे। दरअसल लोकेश कनगराज की यह फिल्म गैंगस्टर बेस्ड एक्शन थ्रिलर थीम पर आधारित है। यही वजह है स्क्रिप्ट में मल्टीपल विलेन्स कीं जरूरत है। ऐसे में विलन के रोल में संजय दत्त से बेहतर कोई दूसरा ऑप्शन नहीं है। सोर्सेस की मानें तो लोकेश कुछ समय से संजय दत्त से रोल से जुड़ी बातचीत कर रहे थे। आखिरकार उन्होंने 10 करोड़ रुपए की फीस लेकर संजय दत्त को फाइनल कर दिया है। फिल्म में विजय और संजय दत्त को एक साथ देखना बेहद इंटरेस्टिंग होने वाला है।

ब्रह्मास्त्र से पंगा कंगना रनौत को भारी पड़ा

रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की मच अवेटेड फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरूआत की है। कंगना रनौत ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर इस फिल्म पर तंज कसा था। कंगना ने फिल्म पर निशाना साधते हुए अपनी इंस्टा स्टोरी पर लिखा था कि जो कोई अयान मुखर्जी को जीनियस कहे उसे जेल में डाल देना चाहिए, इस फिल्म को बनाने के लिए उन्हें 12 साल लगे, उन्होंने इस फिल्म के लिए 400 से ज्यादा दिनों तक शूट किया...600 करोड़ जलकर राख हो गए। इसके अलावा भी इस लंबे चौड़े पोस्ट में उन्होंने मेकर्स पर कई बड़े आरोप लगाए थे। वहीं फिल्म की बंपर कमाई के बाद अब कंगना के इस बयान पर लोगों के रिएक्शन सामने आ रहे है। ब्रह्मास्त्र की बुराई किए जाने पर एक्ट्रेस को जमकर ट्रोल किया जा रहा है। सोशल मीडिया यूजर्स एक्ट्रेस को उनकी फिल्मों को लेकर तंज कस रहे हैं। एक यूजर ने कंगना पर कटाक्ष करते हुए पूछा, मणिकर्णिका का पहले दिन का कलेक्शन कितना था? वहीं, दूसरे यूजर ने लिखा, ब्रह्मास्त्र के पार्किंग टिकट का कलेक्शन भी धाकड़ के पहले दिन की कमाई से ज्यादा है। एक अन्य यूजर ने लिखा, सुना है ब्रह्मास्त्र ने पहले दिन ही 36 करोड़ कमा लिए हैं। इतना तो कंगना की पूरी फिल्म का बजट होता है। तेजस कब आ रही है। बिना बायकॉट के एक और सुपर डुपर डिजास्टर। गौर करने वाली बात ये है कि रणबीर कपूर की यह फिल्म इस साल की सबसे बड़ी ओपनर साबित हुई है।

पलक तिवारी को जिंदगी भर कुंवारी रखेंगी श्वेता तिवारी

छोटे परदे की चर्चित एक्ट्रेस श्वेता तिवारी एक बार फिर सुर्खियों में आ गयी हैं। दरअसल श्वेता तिवारी अपनी बेटी पलक तिवारी की शादी नहीं रचाना चाहती है। दरअसल बीते कुछ सालों में श्वेता तिवारी 2 बार तलाक ले चुकी हैं। वही 2 तलाक के बाद श्वेता तिवारी का प्यार से भरोसा उठ गया है। हाल तो ये है कि श्वेता तिवारी अपनी बेटी की भी शादी नहीं करना चाहती हैं। इस बात का खुलासा खुद श्वेता तिवारी ने ही किया है। जहां एक्ट्रेस ये कहते दिखी हैं की मेरा अब शादी से भरोसा उठ चुका है। मैं शादी में यकीन नहीं रखती। मैंने अपनी बेटी पलक से शादी न करने के लिए कहा है। मैंने अपनी बेटी को समझाया कि हो सकता है कि आगे चलकर वो किसी के साथ रिलेशनशिप में आए। रिलेशनशिप में रहने का मतलब ये नहीं होता कि वो रिश्ता शादी तक पहुंच जाए। वो जैसे चाहे अपनी जिंदगी के फैसले ले सकती है। मैं बस उससे कहती हूं कि कुछ करने से पहले कई बार सोच ले। इतना ही नहीं आगे आगे श्वेता का पाने दोस्तों के शादी का उदाहरण देते हुए कहा की लाइफ में शादी करना बहुत जरूरी होता है और शादी के बिना जिंदगी कैसे चलेगी ये नहीं होना चाहिए। इस सोच को बदलना जरूरी है। हर किसी की शादी तबाह नहीं होती। मेरे बहुत से दोस्तों की शादी अच्छी चल रही है। वहीं कुछ दोस्त ऐसे भी हैं जो शादी के नाम पर कॉम्प्रोमाइज कर रहे हैं। ये उनके बच्चों के लिए ठीक नहीं है। समाज के प्रेशर में आकर शादी करना समझदारी नहीं है। मैं पलक को बार बार ये बात समझाती हूं।